IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 3, Issue 1, March 2021
Impact Factor: 5.731

# नई कहानी की अंतरधाराएं एवं शेखर जोशी का साहित्य

डॉ.राकेश कुमार गौतम

हिंदी विभाग

प्राचार्य, यमुना प्रसाद शास्त्री महाविद्यालय, सेमरिया, रीवा, म.प्र.

सारांश:

नई कहानी आंदोलन हिंदी साहित्य की एक महत्वपूर्ण धारा है जो स्वतंत्रता के बाद के सामाजिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक परिवर्तनों को प्रतिबिंबित करती है। इस आंदोलन की अंतरधाराएं विभिन्न सामाजिक वर्गों, शहरी-ग्रामीण जीवन और व्यक्तिगत संघर्षों पर केंद्रित हैं। शेखर जोशी इस आंदोलन के प्रमुख कथाकार हैं जिनकी कहानियां श्रमिक वर्ग, पहाड़ी जीवन और मानवीय संवेदनाओं को उजागर करती हैं। यह शोध पत्र नई कहानी की अंतरधाराओं का विश्लेषण करते हुए शेखर जोशी के साहित्य में उनके योगदान की जांच करता है। मुख्य रूप से माध्यमिक स्रोतों पर आधारित यह अध्ययन नई कहानी के विविध आयामों और जोशी की विशिष्टता को रेखांकित करता है।

कीवर्ड्स:(Keywords)

नई कहानी, अंतरधाराएं, शेखर जोशी, हिंदी साहित्य, श्रमिक वर्ग, पहाड़ी जीवन, मानवीय संवेदना, यथार्थवाद, सामाजिक संघर्ष

## परिचय:(Introduction)

हिंदी साहित्य में नई कहानी आंदोलन 1950-60 के दशक में उभरा, जो प्रेमचंद की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आधुनिक यथार्थवाद पर जोर देता है। यह आंदोलन स्वतंत्र भारत के सामाजिक परिवर्तनों,

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 3, Issue 1, March 2021
Impact Factor: 5.731

शहरीकरण, आर्थिक असमानता और व्यक्तिगत अलगाव को केंद्र में रखता है। नई कहानी के प्रमुख प्रवक्ता कमलेश्वर, मोहन राकेश और राजेंद्र यादव थे, लेकिन इसकी अंतरधाराएं विविध हैं। एक धारा शहरी मध्यवर्ग की मनोवैज्ञानिक जटिलताओं पर केंद्रित है, जबकि दूसरी ग्रामीण और श्रमिक जीवन की कठोर वास्तविकताओं को उजागर करती है। शेखर जोशी (जन्म: 1932, मृत्यु: 2022) नई कहानी के दौर के महत्वपूर्ण कथाकार हैं, जो अमरकांत के साथ प्रचारित धड़े के प्रतिमुख माने जाते हैं। उनकी कहानियां नैसर्गिक प्रतिभा से ओतप्रोत हैं और श्रमिकों की दुनिया को केंद्र में रखती हैं। उनकी पहली कहानी 'राजे खत्म हो गए' (1951) से लेकर 'कोसी का घटवार' (1957) तक का सफर हिंदी कहानी को नई दिशा देता है। इस शोध पत्र में नई कहानी की अंतरधाराओं का विश्लेषण करते हुए शेखर जोशी के साहित्य में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला जाएगा।

यह अध्ययन नई कहानी के विविध स्वरूपों को समझने और जोशी की कहानियों में शिल्प, संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी के अंतर्संबंधों को उजागर करने का प्रयास है। शोध का उद्देश्य यह दिखाना है कि जोशी की रचनाएं नई कहानी की मुख्यधारा से भिन्न होते हुए भी उसकी पूरक हैं।

## शोध पद्धति: (Research Methodology)

यह शोध मुख्य रूप से माध्यमिक स्रोतों पर आधारित है। हिंदी साहित्य की पुस्तकों, पत्रिकाओं, ऑनलाइन लेखों और आलोचनात्मक ग्रंथों का उपयोग किया गया है। डेस्क रिसर्च विधि अपनाई गई, जिसमें वेब सर्च और उपलब्ध साहित्य का विश्लेषण शामिल है। प्रमुख स्रोतों में 'वागर्थ' पत्रिका, 'समकालीन जनमत' और अन्य ऑनलाइन संसाधन शामिल हैं।

शोध की प्रक्रिया में निम्न चरण अपनाए गए:नई कहानी आंदोलन की अंतरधाराओं की पहचान: ऐतिहासिक और आलोचनात्मक दृष्टिकोण से।

Copyright to IJARSCT
DOI: 10.48175/IJARSCT-12270A

www.ijarsct.co.in
ISSN 2581-9429 IJARSCT

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 3, Issue 1, March 2021 Impact Factor: 5.731

शेखर जोशी की कहानियों का चयन और विश्लेषण: 'कोसी का घटवार', 'दाज्यू', 'बदबू' आदि पर फोकस। तुलनात्मक अध्ययन: अन्य नई कहानीकारों (जैसे मोहन राकेश) से तुलना। यह गुणात्मक शोध है, जिसमें व्याख्यात्मक विधि का प्रयोग किया गया है। सीमाएं: प्राथमिक साक्षात्कारों की अनुपस्थिति, लेकिन उपलब्ध माध्यमिक सामग्री पर्याप्त है।

## मुख्य भाग:(Main Body)

### अध्याय 1: नई कहानी आंदोलन की अंतरधाराएं

नई कहानी आंदोलन को दो मुख्य धाराओं में विभाजित किया जा सकता है, हालांकि इसे सीमित नहीं किया जा सकता। पहली धारा शहरी मध्यवर्ग की अलगाव, मनोवैज्ञानिक संघर्ष और आधुनिकता पर केंद्रित है, जैसा मोहन राकेश की 'उसकी रोटी' या राजेंद्र यादव की कहानियों में दिखता है। यह धारा व्यक्तिवादी है और पश्चिमी प्रभाव से प्रभावित। दूसरी धारा सामाजिक यथार्थवाद पर जोर देती है, जिसमें ग्रामीण जीवन, श्रमिक वर्ग और आर्थिक शोषण शामिल हैं। अमरकांत और शेखर जोशी इस धारा के प्रतिनिधि हैं। महिला कथाकारों जैसे मन्नू भंडारी की कहानियां स्त्री-पुरुष संबंधों की नई व्याख्या प्रस्तुत करती हैं, जो एक तीसरी अंतरधारा का निर्माण करती हैं। नई कहानी की अंतरधाराएं समय के साथ विकसित हुईं, जहां प्रगतिशीलता से अलग होते हुए भी सामाजिक जिम्मेदारी बनी रही। शेखर जोशी की कहानियां इस दूसरी धारा को मजबूत करती हैं, जहां पहाड़ी परिवेश और श्रमिक जीवन प्रमुख हैं।

### अध्याय 2: शेखर जोशी का साहित्य और नई कहानी में योगदान

शेखर जोशी की कहानियां नई कहानी की मुख्यधारा से भिन्न हैं, क्योंकि वे श्रमिकों की दुनिया पर फोकस करती हैं। 'कोसी का घटवार' क्लासिक कहानी है, जो पहाड़ी जीवन की जिजीविषा दिखाती है। 'बदबू' में केरोसीन की गंध पूंजीवादी शोषण का प्रतीक है। जोशी की कहानियों में शिल्प और संवेदना का अंतर्संबंध


ISSN 2581-9429 IJARSCT

उल्लेखनीय है। वे प्रेमचंद की परंपरा को आगे बढ़ाते हैं, लेकिन आधुनिक शिल्प अपनाते हैं। उनकी रचनाएं निम्न वर्गों के संघर्ष को चित्रित करती हैं, जैसे 'दाज्यू' में पारिवारिक भावनाएं। अन्य नई कहानीकारों से तुलना में जोशी अधिक ग्रामीण और श्रम-केंद्रित हैं, जबकि राकेश शहरी हैं। जोशी का साहित्य नई कहानी की अंतरधाराओं को समृद्ध करता है।

## अध्याय 3: विश्लेषण और मूल्यांकन

शेखर जोशी की कहानियों में मानवीय संवेदना प्रमुख है। 'नौरंगी बीमार है' जैसी कहानियां सामाजिक अन्याय दिखाती हैं। वे नई कहानी की अंतरधाराओं में श्रमिक धारा के प्रतिनिधि हैं। उनका योगदान हिंदी साहित्य को विविधता प्रदान करता है।

## निष्कर्ष: (Conclusion)

नई कहानी की अंतरधाराएं हिंदी साहित्य की समृद्धि दर्शाती हैं, और शेखर जोशी का साहित्य इसमें महत्वपूर्ण योगदान देता है। उनकी कहानियां श्रमिक जीवन और मानवीय संघर्ष को जीवंत बनाती हैं, जो आधुनिक हिंदी कहानी की आधारशिला हैं। भविष्य के शोध में जोशी के साहित्य को अधिक वैश्विक संदर्भ में देखा जा सकता है।

## संदर्भ: (References)

[1]. Chandel, Upendrakumar Singh. Kahanikar Shekhar Joshi aur Nayi Kahani. Amazon.

[2]. Mohan, Manoj. "नई कहानी के दौर में शेखर जोशी." Vagartha, Bharatiya Bhasha Parishad, vagartha.bharatiyabhashaparishad.org/shekhar-joshi-paricharcha.

[3]. Sagar, Chanda. "शोध आलेख: शेखर जोशी का कथा-संसार." Apni Maati, www.apnimaati.com/2020/12/blog-post_71.html.

IJARSCT

International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology

International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal

ISSN: 2581-9429

Volume 3, Issue 1, March 2021

Impact Factor: 5.731

[4]. "अपने समकालीन कहानीकारों के बीच शेखर जोशी की कहानियाँ." Samkaleen Janmat, 10 Dec. 2018, samkaleenjanmat.in/stories-of-shekhar-joshi-among-his-contemporaries.

[5]. Joshi, Naveen. "हिन्दी के अकेले डांगरीवाले शेखर जोशी."

[6]. "शेखर जोशी की कहानियों में मानवीय संवेदना." SDSUV, sdsuv.co.in/art_journal/30_03/71_74.pdf.

[7]. "शेखर जोशी: हिंदी नई कहानी के 'दाज्यू' कर गए अपना देहदान." NewsClick, 5 Oct.2018, hindi.newsclick.in/Noted-story-writer-Shekhar-Joshi-passed-away-on-Tuesday-afternoon.

[8]. "शेखर जोशी की कहानियों में निम्न वर्गों का संघर्ष." Shodh Samagam, shodhsamagam.com/uploads/issues_tbl/Shekhar%20Joshi%20Ki%20Kahaiyo%20mai%20Nimna%20Vargo%20ka%20Shanghrash.pdf.

[9]. "इकाई 19 नई कहानी और साठोत्तरी कहानी." eGyanKosh, egyankosh.ac.in/bitstream/123456789/47726/1/Unit-19.pdf.

[10]. "शेखर जोशी की संपूर्ण रचनाएँ." Hindwi, www.hindwi.org/poets/shekhar-joshi/all.

[11]. "शेखरजोशी की कहानियों में संवेदना के विविध आयाम." oldror.lbp.world/UploadedData/11408.pdf.

[12]. "सूरज पालीवाल अनुभव की चटख आग में पकती कहानियाँ." Hindi Samay, www.hindisamay.com/content/4300/1/....

[13]. "साक्षात्कार: शेखर जोशी." Chhattisgarh Mitra, chhattisgarhmitra.com/?p=1355.

[14]. "कहानीकार शेखर जोशी और नयी कहानी." Exotic India Art, www.exoticindiaart.com/book/details/storyteller-shekhar-joshi-and-new-story-hbo749.

[15]. "“बदबू” सिर्फ़ एक गंध नहीं." Instagram, www.instagram.com/p/DNsniKbQjNw